हिन्दुस्तान पटना • गुरुवार • 01 अगस्त 2013 08

पटना

ग्रामीण विकास विभाग की नई व्यवस्था

मनरेगा में पैसा ऑनलाइन ट्रांसफर होगा

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मनरेगा के तहत मजदूरी का पूरा और समय पर भुगतान करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग नई व्यवस्था की है। इसके तहत ईएफएमएस (इलेक्ट्रानिक फंड मैनेजमेंट सिस्टम) नामक योजना जल्द शुरू की जा रही है। फिलहाल इसे पांच जिलों जहानाबाद, शिवहर, शेखपुरा, अरवल और किशनगंज में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जा रहा है। इन जिलों में इसके अच्छे परिणाम मिलने पर इसे जल्द ही सभी जिलों में लागू कर दिया जाएगा।

ईएफएमएस नामक इस नई व्यवस्था के तहत मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों के बैंकों में खाते खुलवाए जाएंगे। जो मजदूर जितने दिन काम करेंगे, उतने दिन की मजदूरी उनके खाते में अपने आप ट्रांसफर कर दी जाएगी। जिसे मजदूर जब चाहें निकाल सकते हैं। पैसे के इस ट्रांसफर सिस्टम में पंचायत रोजगार सेवकों (पीआरएस) के डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग होगा। हर मजदूर को पैसे ट्रांसफर करने से पहले पीआरएस का डिजिटल हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके अलावा अन्य संबंधित पदाधिकारियों का हस्ताक्षर भी डिजिटल ही किया जाएगा। इससे कागजी हस्ताक्षर की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

नई प्रणाली के शुरू होने से चेक से मजदूरी का भुगतान करने की परंपरा खत्म हो जाएगी। चेक से पेमेंट करने में बिचौलियों की भूमिका काफी होती थी। अब इस ईएफएमएस के ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम से मजदूरी के भुगतान में बिचौलियों की भूमिका और अन्य स्तर पर कमीशन की सुविधा बंद हो जाएगी। बिहार में वर्तमान में करीब 30 लाख मजदूर काम कर रहे हैं। इसमें अब तक 10 लाख मजदूरों का बैंक में खाता खुल पाया है। खाता खुलने की प्रक्रिया में देरी हो रही है।

सभी जिलों में लागू होगा

- इसके तहत मजदूरी करने वालों के खाते में सीधे जाएगा पैसा
- ईएफएमएस नामक इस योजना को जल्द किया जाएगा शुरू
- पांच जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू होगी योजना